गायत्री विद्या परिषद में हिंदी विभाग

"राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है"

हिन्दी है भारत की भाषा,

हिन्दी है भारत की आशा

गायत्री विद्या परिषद में हिंदी विभाग का शुभारंभ 1989 में हुआ ।गायत्री महाविद्यालय के तीन शेखाओं द्वारका नगर शाखा, एम.वी.पी शाखा एवं ऋषिकोंडा शाखा में स्नातक स्तर पर हिंदी द्वितीय भाषा के रुप में शिक्षा दी जा रही है ।1989 में डॉक्टर एम. एफ रहिमान जी प्राध्यापक के रूप में नियुक्त हुए । तदनंतर क्रमशः डॉ.राधा ,श्रीमती विजय श्री ,डा.के. शांति, डॉ.के अनिता, सुश्री अरुंधति, डॉ ए .रमणी की नियुक्तियां हुई । डॉ रहमान सह आचार्य के साथ एम.पी.पी. शाखा के निदेशक के रूप में भी कार्य किए।

संप्रति डॉ. अनिता एवं डॉ.ए .रामणी हिंदी प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं | 1989 से लेकर 2019 तक उच्च शिक्षा द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार स्नातक स्तर पर हिंदी भाषा की शिक्षा दी गई। संप्रति ए.पी.एस.सी.एच.इ(APSCHE) द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार हिंदी भाषा की शिक्षा दी जा रही हैं ।

भाषा विचार विनिमय का उत्तम साधन है।आज दुनिया भर में हिंदी बोलने जनने लोगों की संख्या अधिक है ।भूमंडलीकरण के इस दौर में हिंदी दुनिया के कई देशों में सूचना, संवाद और व्यापार का एक मजबूत ताकत के रूप में पहचानी जा रहे हैं। गायत्री विद्या परिषद ,हिंदी विभाग के विद्यार्थी एवं प्राध्यापक विशाखापट्टनम तथा विभिन्न शहर के हिंदी कार्यक्रमों प्रतिस्पर्धाओं, संगोष्ठियों में भाग लेकर हिंदी के विकास में अपना विशिष्ट योगदान दे रहे है ।गायत्री विद्या परिषद में हिंदी के बहुमुखी विकास के लिए हिंदी दिवस, विशिष्ट हिंदी विद्वानों के भाषण, हिंदी से संबंधित ज्ञानवर्धक प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया जाता है । वर्ष 2023 से हिंदी विभाग ने अपनी एक वार्षिक पत्रिका "प्रज्ञा" की शुरुआत की है। गायत्री महाविद्यालय का मैनेजमेंट हिंदी विभाग के विकास के लिए कटिबद्ध है ,अपनी संपूर्ण सहायता प्रदान कर रही हैं ।

जय हिन्द।जय गायत्री।